यु.जि.सि. प्रायोजित

हिन्दी विभाग/DEPARTMENT OF HINDI

SRI DURGA MALLESWARA SIDDHARTHA MAHILA KALASALA VIJAYAWADA

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

भूमंडलीकरण

हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)

GLOBALIZATION

HINDI KATHA SAHITYA (NOVEL & STORY)

राष्ट्रीय संगोष्ठी

29-30 जनवरी, 2015

श्री दुर्गा मल्लेश्वर सिद्धार्थ महिला कलाशाला

स्वायत

विजयवाडा-520 010

भूमंडलीकरण में कम्प्यूटर और विश्वजाल से जुडे रोजगार

- ए.बाबु

भूमंडलीकरण ने विगत दो दशको में भारत जैसे महादेश के समक्ष जो नई चुनैतियाँ खड़ी की हैं उनमें सूचना विस्फोट से उत्पन्न हुई अफरा-तफरी और उसे सँभालने के लिए जनसंचार माध्यमों के पल-प्रतिपल बदलते रूपों का महत्वपूर्ण स्थान है। इसमें संदेह नहीं कि वर्तमान संदर्भ में भूमंडलीकरण का अर्थ व्यापक तौर पर बाजारीकरण है । भाषा का कार्य भावनाओं के विकास के साथ - साथ मानसिकता का विकास भी करना होता है। भाषा आर्थिक स्मृति के साथ-साथ मनोरंजन का कार्य भी करती है। भाषा का समाज से बहुत निकट सम्बन्ध होता है। भाषा विहीन समाज बलहीन माना जाता है। भाषा - विहीन राष्ट्र भी अनर्थ बन जाता है। इसलिए भारतेन्दू हरिश्चन्द्र ने कहा है कि जो राष्ट्र अपनी भाषा में कार्य नहीं करता उसका विकास असंभव होगा।

जैसे -"जिन भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल ।" विना निज भाषा ज्ञान के, मिट न हिये को मूल ।"

भारत एक बहु भाषिक देश है। भारतीय संविधान में राज भाषा हिन्दी साहित्य कुल-18 भाषाओं को स्थान प्राप्त हुआ है। भाषावार प्रांत रचना के फलस्वरूप विभिन्न प्रांतो में अलग-अलग भाषाओं का प्रचलन बढ गया है। विभिन्न भाषाओं के बीच हिन्दी सेतु के समान भारतीय भाषाओं के समन्वव निर्माण में अपना योगदान दे रही है। आज हिन्दी को भारत वर्ष में 42.5% लोग बोलने वाले है। भारत वर्ष के दस राज्यों की यह प्रशासनिक भाषा मानी जाती है। आज हिन्दी केवल साहित्यक भाषा ही नहीं बल्कि उसका स्वरूप विस्तृत हुआ है। आज विश्व स्तर पर दूसरी भाषा के रूप में हिन्दी का महत्व बन रहा है। दूसरे शब्दों में कहा जाय तो हिन्दी भाषा के साहित्य और साहित्येतर क्षेत्र में किया गये विकास को सहि रूप में प्रयोगिक बनाने का अवसर आ गया है। जिस हिन्दी भाषा की अर्जित शक्ति के प्रयोग का समय कहा जा सकता है।

आज हिन्दी के माध्यम से रोजगार के अनेक अवसर खुल चुके है। आज भूमंडलीकरण के इस दौर में हिन्दी माध्यम से पढनेवाले विद्यार्थी और विश्वविद्यालय के शिक्षक मात्र तक सीमित न होकर भूमंडलीकरण और बाजारोन्मुखी आवश्यकता अनुरूप उनके लिए अनेक क्षेत्र नये खुले है। हम इसे रोजगार की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानते है। जैसे हिन्दी अधिकारी, हिन्दी टंकक, दुर्भाषिय, पत्रकार, गीतकार, संवादकार, आदि महत्वपूर्ण है। आज विश्व स्तर पर हिन्दी भाषा की व्यापकता में कम्प्यूटर की भाग दिन-दिन बढती जा रही है। हिन्दी भाषा भी तकनीक से जुड रही है। अतः हिन्दी में साफ्टवेर की मांग भी बढ रही है। छोटे और अधिक शक्तिशाली कम्प्यूटरं के द्वारा व्यापार, शिक्षा, कार्यालय आदि अनेक क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। हिन्दी भाषाके कम्प्यूटर एवं अतंरजाल में विस्तार एंव फैलाव के माध्यम से पढ लिखने और कम्प्यूटर का ज्ञान रखने वाले विद्यार्थियों के लिए बढते रोजगार की संभावनाएँ होगी। जैसे (1) सरकारी गैर सरकारी कार्यालयों में (2) पत्रकारिता में (3) व्यापार में और अनुवाद के क्षेत्र में ।

हिन्दी का प्रयोजन मूलक रूप आज अधिक चर्चित और रोजगार के कम्प्यूटर मार्गों का अन्वेषक है। आजादी के बाद इसका विस्तार हुआ है। विशेषकर राज भाषा हिन्दी के कार्यान्वयन ने इसके रूप का महत्व बढ़ा दिया है। भारत के कार्यालयों की जितनी सारी व्यवस्थाएं है जैसे बैंकिग, डॉक तार, रेल आदि में तथा उसी प्रकार भारतीय जीवन के अन्य क्षेत्र में जैसे व्यापार, वाणिज्य आदि में इस हिन्दी रूप का विस्तार हो

रहा है। उदाहरण के लिए आन्ध्र प्रदेश सरकार ने स्कूली स्तर पर कम्प्यूटर संबन्धी पाठ्यक्रम आरंभ किये है। इस से ग्रमीण पाठशाला के छात्र लाभान्वीत हो रहे है। कम्प्यूटरी ज्ञान से हजारों की संख्या में गाँवों के गरीब पढ़े-लिखे युवको को कम्प्यूटर आपरेटरं के रूप में रोजगार मिलने की अधिक संभावना है। आज भारत सरकार की निति के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के राजस्व रिकार्ड भारतीय भाषाओं में ही विकास करने की योजना हो रही है। जैसे ई-सेवा, मी-सेवा के अतिरिक्त Land Record नामक महत्व रखनेवाली योजना को हम देख सकते है। विशेषकर आन्ध्र प्रदेश में मी-सेवा और ई-सेवा द्वारा जिला और तालूका के Revenue से जुडे Record जैसे - Caste Certificate, Income Certificate और Land Record आदि कुछ ही समय में प्राप्त कर सकते है। इस योजना द्वारा बेरोजगारी युवको को रोजगार मिलने की अधिक संभावना है। आनेवाले भविष्य के कुछ ही दिनों में Land Record नामक योजना द्वारा उत्तर भारत का साधारण-सा Revenue का कर्मचारी भी हिन्दी भाषा में Land Record को आसानी से देख पायेगा। इन योजना द्वारा बेरोजगार युवको को रोजगार मिलने की अधिक संभावनाएँ है।

इतना ही नहीं आज वैश्वीकरण के इस दौर में हिन्दी संचार भाषा के रूप में व्यापक स्थान ग्रहण कर रही है। आज पत्रकार को सूचना के आदान-प्रदान के लिए जितनी तकनीकी ज्ञान चाहिए वह सभी जानकारी प्रिंट मीडिया से प्राप्त हो जाती है। आज के वैज्ञानिक युग में ई-मेल आदि ने पत्रकारिता के स्वरूप को ही बदला दिया है। पहले किसी समाचार को जनता तक पहूँचाने में 24 सो घंटे लग जाते थे पर आज प्रिंट मीडिय एवं इलकट्रानिक मीडिया, द्वारा कुछ ही समय में पहूँचाया जा सकता है। कम्प्यूटर के विकास से पत्रकारिता में परिवर्तन हुआ है। समाचारों के संकलन, लेखन, संपादन आदि सभी कम्प्यूटर के एंव इंटरनेट द्वारा किया जा रहा है। अतः कम्प्यूटर एंव इंटरनेट के ज्ञान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए संवेददात के रूप में विशेष संवादता के रूप में मुख्य कार्यालय संवाददात के रूप में, उपमुख्य कार्यालय संवाददाता के रूप में, रोजगार प्राप्त होने की संभावना होगी। इसके अतिरिक्त देशी-विदेशी समाचार समितियों में हिन्दी के छात्रों को रोजगार के लिए विविध श्रेणियों के संवाददाताओं के रूप रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। वर्तमान समय की समझ हेतु 21 वीं सदी के एक दशकोपरंत विश्व स्तरीय भूमंडलीकरण स्थिति के विविध पहलूओं को जानने की आवश्यकता है। चूंकि आज विश्वके प्रत्येक संदर्भ और क्षेत्र में भूमंडलीकरण का प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे हरा है। आज भारत के गाँवों को छोडकर लग-भग सभी शहरो में Super Bazar, Big Bazar, Megha Bazar, More Bazar, City Centres, हल ही में भारत सरकार द्वारा पारित की गयी FDI आदि, मार्केटों का बोल-बाला चल रहा है । इस के तहत आज अधिक चर्चित और रोजगार के नये मार्गों का अन्वेषक हो रहा है। इन सेंटर बाजारो में हिन्दी क्षेत्र के होते हुए कम्प्यूटर और इन्टरनेट के ज्ञान रखने वाले विध्यार्थियों को विविध श्रेणियों के रोजगार प्राप्त होने की संभावनाएँ है। आज वर्तमान के इस दौर में वेबसाइट पर हिन्दी इलकट्रानिक शब्दकोश उपलब्ध किये जा रहे है। इसी प्रकार अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं में पारस्परिक अनुवाद प्राप्त करने की सुविधा संभव हो रही है।

अद्यापक, हिन्दी विभाग
वी.आर.कालेज, नेल्लूर